दैनिक भास्कर

देश के 11 राज्यों में 6553 किमी. की दूरी तय करके सीआईएसएफ का साइक्लोथॉन संपन्न

25 दिनों की यात्रा से तटीय सुरक्षा मजबूत, समृद्ध भारत की थीम पर आयोजन हुआ था

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने अपने 56वें स्थापना दिवस पर शुरू की गई ग्रेट इंडियन कोस्टल साइक्लोथॉन का समापन कन्याकुमारी के स्वामी विवेकानंद रॉक मेमोरियल में किया। सीआईएसएफ महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी के अगुवाई में आयोजित यह साइक्लोथॉन सुरक्षित तट, समृद्ध भारत की थीम पर आधारित इस साइक्लोथॉन में 125 साइकिलिस्ट्स, जिनमें 14 महिलाएं शामिल थीं, ने 7 मार्च से 31 मार्च तक 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 6,553 किलोमीटर की दूरी तय की। यह भारत की मुख्यभूमि की पूरी तटरेखा को पार करने वाली पहली साइक्लोथॉन थी, जिसमें 2.3 करोड़ से अधिक लोग जुड़े। बल के प्रवक्ता ने बताया कि 7 मार्च को गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु के तक्कोलम से इसकी शुरुआत की। पूर्वी और पश्चिमी तटों से दो टीमों ने यात्रा शुरू की और 25 दिनों में कन्याकुमारी पहुंचीं। इस दौरान पारादीप पोर्ट, कोणार्क सूर्य मंदिर, गेटवे ऑफ इंडिया जैसे स्थलों पर भव्य स्वागत हुआ। 30 लाख लोगों ने रैलियों और जागरूकता कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस पहल का उद्देश्य तटीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समुदायों को जोड़ना था।

तटीय समुदायों को तट प्रहरी के रूप में सशक्त बनाने का प्रयास...

महानिदेशक ने समापन समारोह में कहा कि यह अभियान तटीय समुदायों को तट प्रहरी के रूप में सशक्त करने का प्रयास है। अपने सुरक्षा केंद्रित उद्देश्य के अलावा, इस साइक्लोथॉन का उद्देश्य भारत के आंतरिक क्षेत्र के समुदायों को देश के मनमोहक तट से जोड़ना भी था। यह तटीय समुदायों की जीवंतता, उनके वनस्पति और जीव-जंतु, तथा उन अनूठी सांस्कृतिक परंपराओं को उजागर करने का एक अवसर था, जो भारत की तटीय पहचान को परिभाषित करती हैं। इसी कारण इसे देश के प्रमुख हस्तियों ने इसका समर्थन दिया, जिनमें नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, एम.एस. धोनी, सुनील गावस्कर, अक्षय कुमार, रजनीकांत, मोहनलाल, पुदुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी, ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवति परिदा, और सुदर्शन पटनायक शामिल हैं। साइक्लिस्ट्स को एक महीने के कठिन प्रशिक्षण से तैयार किया गया। कन्याकुमारी में समापन राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का प्रतीक बना। यह साइक्लोथॉन सीआईएसएफ की तटीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और एक सुरक्षित, समृद्ध भारत के लिए सामुदायिक सहयोग को रेखांकित करता है।